विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -24 - 12- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज भाववाचक एवं जातिवाचक संज्ञा के बारे में अध्ययन करेंगे ।

भाववाचक संज्ञा

भाववाचक संज्ञा की परिभाषा

जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। या -

जिस संज्ञा शब्द से पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-बुढ़ापा, मिठास, बचपन, मोटापा, चढ़ाई, थकावट आदि।

भाववाचक संज्ञा के भेद

भाववाचक संज्ञा के दो भेद हैं

1. **समुदायवाचक संज्ञा**
2. **द्रव्यवाचक संज्ञा**

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण

- ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।
- लगातार परिश्रम करने से सफलता मिलेगी।
- लगातार खेलने से मुझे थकान हो गई है।
- गरीबी के कारण बहुत बच्चे स्कूल नहीं जा पाते।
- तुम साहस करो तो यह काम हो सकता है।

- उसकी आवाज़ में बहुत मिठास है।
- अनेक संघर्षों के बाद हमें आज़ादी मिली है

जातिवाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा की परिभाषा

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि। या -

जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण

गाय: गाय बोलने से पहाड़ी, हरियाणवी, जर्सी, काली, सफ़ेद, देशी, विदेशी आदि सभी गायों का बोध आता है। अतः गाय जातिवाचक संज्ञा शब्द हुआ क्योंकि गाय जानवरों की एक जाती हुई।

लड़का: लड़का बोलने से सभी तरह के व सभी जगह के लड़कों का बोध होता है जैसे – रामु, श्यामू, विकास, आकाश, पीटर, मार्टिन, डेनियल, सिध्धू, परमिंदर आदि क्योंकि मनुष्य जाती में लड़का एक ख़ास अवस्था वाली जाती हुई।